

प्रेषक,

कुँवर सिंह
अपर साचिव
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक
उत्तरांचल जल संस्थान
देहरादून।

पेयजल अनुभाग


देहरादून: दिनांक: ०८ फरवरी, 2005

विषय जनपद देहरादून में पण्डितवाड़ी ग्राम समूह पेयजल योजना के श्रोत सम्बर्द्धन के प्राक्कलन पर प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति एवं वाणी बिहार भगत सिंह कालोनी, देहरादून पेयजल योजना हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्रांक 2953/प्राक्कलन/2004-05 दिनांक-04-12-2004 एवं अधीक्षण अभियन्ता नगर, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून के पत्रांक 1434/अधी०अभि०न०/दे०दून/प्राक्कलन /04-05 दिनांक 10.01.05 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून में पण्डितवाड़ी ग्राम समूह पेयजल योजना के श्रोत सम्बर्द्धन के प्राक्कलन अनु०लागत रु० 80.33 लाख के परीक्षणोपरान्त टी०ए०सी० द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गयी रु० 79.50 लाख (रु० उन्नासी लाख पचास हजार मात्र) की लागत के आगणन पर श्री राज्यपाल प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन दिये जाने तथा इस योजना पर चालू वित्तीय वर्ष में व्यय हेतु रु० 14.63 लाख (रु० चौदह लाख तिरसठ हजार मात्र) एवं वाणी बिहार भगत सिंह कालोनी, देहरादून पेयजल योजना के श्रोत सम्बर्द्धन सम्बंधी प्राक्कलन जिसकी अनु०लागत रु० 94.66 लाख पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति शासनादेश संख्या- 1188/उन्तीस/०४-२(37पे०)/2004, दिनांक 17 जुलाई, 2004 द्वारा प्रदान की गई थी, पर व्यय हेतु रु० 10.00 लाख (रु० दस लाख मात्र) अर्थात् कुल रु० 24.63 (चौबीस लाख तिरसठ हजार मात्र) की धनराशि उक्त दोनों योजनाओं पर व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(१) आगणन में उल्लिखित दरों का विस्तरेण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत /अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार आगणन/मानचित्र पर अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।



कनरा-2

- (2) पण्डितवाड़ी ग्राम समूह पेयजल योजना हेतु स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के अधीन है कि परिवर्तन के उपरान्त केवल आवश्यकता में अन्तर के समतुल्य आगणन में प्राविधान किया गया है तथा निर्माण के फलस्वरूप फालतू सामग्री के मूल्य का क्रेडिट कार्यों में कर दिया गया है।
 - (3) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
 - (4) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत मानक है, स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
 - (5) एक मुश्त प्राविधान का कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
 - (6) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग / विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
 - (7) कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
 - (8) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।
 - (9) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
 - (10) निर्माण सामग्री का प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।
2. उपरोक्त प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान के हस्ताक्षर एवं जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके वास्तविक आवश्यकतानुसार आहरित की जायेंगी तथा आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध कराई जायेंगी।
3. कन्टीजेंसी एवं सेंटेंज चार्जज शासन द्वारा अनुमन्त्र दरों पर ही लिया जाय। प्रोजेक्टर तैयार करने एवं सुपरवीजन करने कोई धनराशि अनुमन्त्र नहीं होगी।
4. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैन्युअल और फाइनेन्शियल हेण्डबुक नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व

22/6

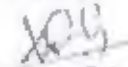
विस्तृत आगणनों पर रक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

5 स्वीकृत धनराशि का व्यय दिनांक 31.03.2005 तक सुनिश्चित कर लिया जाय तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र एवं कार्य की वित्तीय भौतिक प्रगति का विवरण तदोपरान्त शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशारी अभियन्ता पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।

6 इस सम्बंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-03-नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन, जीणोद्धार, सुदृढीकरण हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामें डाला जायेगा।

7 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं० 169/वित्त अनु०-3/2004 दिनांक 02 फरवरी, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

मवदीय


(कुँवर सिंह)

अपर सचिव

संख्या:- १४ /उन्तीस/०४/०२-(47पे०)/2004, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1-महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।

2-मण्डलायुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी।

3-जिलाधिकारी, देहरादून।

4-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

5-महाप्रबन्धक उत्तरांचल जल संस्थान (गढ़वाल) पौड़ी।

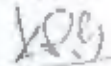
6-अधीक्षण अभियन्ता, नगर, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून को इस आशय से प्रेषित कि कृपया सम्बन्धित अवर अभियन्ता /सहायक अभियन्ता को शासन में भेजकर आगणन में की गयी कटौतियों को नोट करने हेतु निर्देशित करें।

7-निजी सचिव मा० मुख्य मंत्री।

8-वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ/वित्त बजट सेल।

9-निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से


(कुँवर सिंह)

अपर सचिव